शिक्षकों को आपस में अकादमिक चर्चाओं में सहयोग हेतु

चर्चा पत्र

वर्ष–6 अंक–9

FEB 2021

हर गांव -प्रिंटरिच गांव , हर वार्ड - प्रिंटरिच वार्ड

2025 तक राज्य के सभी बच्चों में मूलभूत भाषाई एवं गणितीय कौशल विकास के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में पहला कदम....

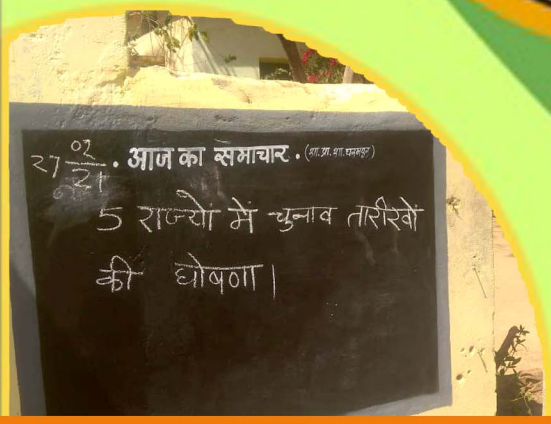

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा छ.ग.

एजेंडा एक: बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता

पढ़ने और लिखने और संख्याओं के साथ कुछ बुनियादी सँक्रियाएँ करने की क्षमता आगे की स्कूली शिक्षा में और जीवन-भर सीखते रहने की बुनियाद रखती है और भविष्य में सीखने की एक पूर्वशर्त भी है। वर्तमान में प्राथमिक विद्यालय में बड़ी संख्या में शिक्षार्थियों ने - जिसकी अनुमानित संख्या 5 करोड़ से भी अधिक है- बुनियादी साक्षरताऔर संख्या-ज्ञान भी नहीं सीखा है; अर्थात ऐसे बच्चों को सामान्य लेख को पढ़ने, समझने और अंकों के साथ बुनियादी जोड़ और घटाव करने की क्षमता भी नहीं है।

वास्तव में शुरुआती वर्षों में बच्चों को जो सीख लेना चाहिए उस समय उन्हें उसे नहीं सिखाया जाता | इसी समय बच्चों के मस्तिष्क का विकास तेजी से होता है और उस समय हम उनके मस्तिष्क को अभ्यास के अवसर नहीं देते | इसीलिए नई शिक्षा नीति में पूर्व प्राथमिक वर्षों में भी प्रारंभिक भाषा एवं गणित सीखने पर जोर दिया गया है | यदि हम विगत दस वर्षों एक असर सर्वे को देखें तो अभी भी बहुत से बच्चे ऐसे हैं जिन्हें कक्षा पांच या आठ में पहुंचने के बाद भी कक्षा दो के स्तर के गणित या भाषा की मूलभूत दक्षता प्राप्त नहीं हो पाती | इस स्थिति में विगत दस वर्षों में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं दिखाई देता | ऐसे में वर्ष 2025 तक कक्षा तीन तक का स्तर सभी बच्चों में ला पाना एवं दुष्कर लक्ष्य है |

लेकिन हम शिक्षक पालक और समुदाय तीनों ठान लें और मिलकर ठोस योजना के साथ काम करें तो हम अपने अपने क्षेत्र एवं अपने राज्य छत्तीसगढ़ में उस समय के पहले ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे | क्या आप नहीं चाहेंगे कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मंशानुरूप इस बुनियादी साक्षरता एवं गणितीय कौशल के लक्ष्य को हमारा राज्य सबसे पहले बहुत अच्छे से प्राप्त कर सके और सभी बच्चों को चाहे वे स्कूल आते हों या नहीं आते हों, सबको साथ लेकर बुनियादी कौशल हासिल कर लेंगे ?

एजेंडा दो: प्रिंट-रिच गाँव/वार्ड तैयार करना

इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सबसे पहले हम प्रिंट-रिच गाँव/वार्ड को तैयार कर उसका बच्चों, नव-साक्षरों एवं समुदाय को नियमित उपयोग करने हेतु प्रेरित करेंगे। चर्चा पत्र के इस अंक में हम कुछ सुझाव मात्र दे रहे हैं जिसके आधार पर समुदाय, शिक्षकों, पालकों एवं शिक्षा सारथियों के साथ मिलकर अपने आसपास ऐसे स्थानों का चयन करेंगे जहाँ पर प्रिंट-रिच वातावरण के लिए समग्री तैयार कर सकेंगे। समुदाय को भी प्रेरित करेंगे कि वे अपने दीवारों को साफ़ तैयार कर प्रिंट-रिच सामग्री लेखन हेतु उपलब्ध करवाते हुए बच्चों को सीखने में सहयोग करें। इस कार्य में समुदाय से सहयोग लेने के साथ-साथ स्कूलों को प्रदत्त मीडिया फंड, युवा एवं इको क्लब के बजट का भी उपयोग किया जा सकता है। एक बार तैयार करें लेकिन अच्छी क्वालिटी की सामग्री बनाए। गाँव/वार्ड को प्रिंट-रिच बनाने हेतु निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें-

- यह बच्चों एवं नव-साक्षरों को सीखने में सहयोग करने वाली सामग्री हो
- अच्छे पेंटर एवं बेहतर लेखनी वाले शिक्षक एवं विद्यार्थी को जिम्मेदारी देवें
- चर्चा पत्र में सामग्री सुझावात्मक है पर आप अपने शाला संकुल में बैठक आयोजित कर अपने अपने संकुल के लिए स्थानीय स्तर पर मंथन कर बेहतर से बेहतर डिजाइन सोचकर तैयार कर साझा कर सकते हैं
- इस कार्य हेतु शाला में उपलब्ध मीडिया बजट,युवा एवं इको क्लब के बजट का इस्तेमाल किया जा सकता है
- सभी शाला संकुल प्राचार्य इकत्तीस मार्च तक इस कार्य को संपन्न करते हुए इसकी लिखित जानकारी देंगे कि उनके शाला संकुल के सभी गाँवों/वार्ड में प्रिंट-रिच वातावरण तैयार कर उसका उपयोग किया जाने लगा है
- गाँव में अलग-अलग उपयुक्त स्थलों में योग, समाचार पढने, कहानी सुनाने, पुस्तक/पठन सामग्री दान केंद्र, शाला नहीं जा रहे बच्चों के सीखने, विभिन्न कौशलों को सीखने हेतु स्थल सुरक्षित रखा जाकर वहाँ भी उन कार्यों से संबंधित लेखन एवं चित्र आदि बनाने का कार्य संपन्न किया जाएगा।

प्रिंट-रिच गाँव/वार्ड बनाने हेतु शाला संकुल स्तर पर ब्लू-प्रिंट तैयार करवाएं।

एजेंडा तीन: प्रिंट-रिच गाँव/वार्ड के माध्यम से सीखने के लक्ष्य

हम प्रिंट-रिच गाँव/वार्ड कार्यक्रम के माध्यम से कक्षा एक से तीन में भाषा एवं गणित के लिए कुछ मूलभूत दक्षताओं की पहचान कर उनकी प्राप्ति हेतु लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। इस कार्यक्रम से राज्य के सभी बच्चे चाहे वह शाला नियमित जा रहे हों अथवा नहीं जा रहे हों, सभी बच्चों में कम से कम निम्नलिखित आउटकम की प्राप्ति अनिवार्यतः हो जाए, यह अपेक्षा है-

कक्षा	हिन्दी	गणित
I	• बच्चे अपने बड़ों से कहानी कविता सुनकर उसे हाव-भाव के साथ सुना सकते हैं • बच्चे सरल शब्दों, वाक्यों को पढ़ लेते हैं • बच्चे वर्ण लेखन का अभ्यास कर लेते हैं	• बच्चे दूर-पास, लंबा-छोटा, मोटा-पतला, कम-ज्यादा, हल्का-भारी पहचान लेते हैं • बच्चे एक से सौ तक की संख्याओं को ठोस वस्तुओं की सहायता से गिन/ लिख लेते हैं • बच्चे विभिन्न आकृतियों को पहचान लेते हैं
II	• बच्चे अपने आसपास के अनुभवों के आधार पर बड़ों के साथ चर्चा में शामिल होते हैं • बच्चे सरल कविता, कहानी को पढ़ लेते हैं • बच्चे सरल शब्दों का श्रुतलेख कर लेते हैं	• बच्चे सौ से हजार तक की संख्याओं की पहचान एवं सही सही लिखना जानते हैं • इकाई दहाई और सैकड़ा जानते हैं और अंको का स्थानीय मान बता सकते हैं • दो अंकों की संख्याओं को जोड़ना घटाना जानते हैं
III	• बच्चे बड़ों की बाते सुनकर उसका सारांश बता सकते हैं • प्रिंट सामग्री पढ़कर उस पर लिखित/मौखिक प्रश्नोत्तर कर लेते हैं • बच्चे अधूरी कहानी को बोलकर/लिखकर पूरा कर लेते हैं	• बच्चे दस तक का पहाडा जानते हैं • बच्चे गुणा एवं भाग एक सामान्य इबारती प्रश्नों को हल कर लेते हैं • बच्चे घड़ी देखकर समय बता सकते हैं • भार, लंबाई, धारिता, मुद्रा जानते हैं

ध्यान रहे, यह केवल न्यूनतम एवं अनिवार्य दक्षताएं हैं। यदि आपका गाँव/वार्ड/पंचायत शिक्षा में सहयोग देने तत्पर है और सामने आने को तैयार हो तो उन्हें प्रेरित कर उनसे भी आप अधिक से अधिक सहयोग लेकर बच्चों के स्तर को और ऊपर लेकर जा सकते हैं।

एजेंडा चार: घर-परिवार में चर्चा के बिंदु

अंगना म शिक्षा कार्य्रकम के अंतर्गत माताएं एवं समुदाय मिलकर प्रतिमाह एक कैलेण्डर बनाकर इन मुद्दों को लेकर एक एक दिन घर पर या मोहल्लों में बच्चों के छोटे-छोटे समूह में चर्चा का आयोजन कर उन्हें अपने आसपास के परिचित मुद्दों पर बोलने का अवसर दे सकती हैं। प्रत्येक बच्चे को किसी निर्धारित दिन निर्धारित मुद्दे पर बोलने का अवसर मिलना चाहिए। माताओं द्वारा भी अपने बच्चों द्वारा की गयी चर्चा पर आपस में चर्चा करनी चाहिए।

अंगना म शिक्षा- घर-बाहर नियमित चर्चा के बिंदु- आज चर्चा किया क्या ?

#	अपने दिनचर्या पर चर्चा	#	स्कूल की पढाई पर चर्चा
1	पढी हुई किसी पुस्तक पर चर्चा	2	घर पर पढाई पर चर्चा
3	आसपास के पेड-पौधों पर चर्चा	4	तालाबों एवं नदियों पर चर्चा
5	रीति-रिवाजों एवं परंपराओं पर चर्चा	6	खेल-कूद एवं व्यायाम पर चर्चा
7	खेती-बाडी एवं साग-सब्जियों पर चर्चा	8	परिवार के सदस्यों पर चर्चा
9	घर में उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं पर चर्चा	10	पानी के विभिन्न स्रोतों पर चर्चा
11	मिट्टी के खिलौनों पर चर्चा	12	प्रदूषण/गन्दगी पर चर्चा
13	टीवी / रेडियो कार्य्रकम पर चर्चा	14	स्वच्छता पर चर्चा
15	यातायात के नियमों पर चर्चा	16	स्थानीय गन्दगी के कारणों पर चर्चा
17	अखबार के किसी समाचार पर चर्चा	18	मशीनों पर चर्चा
19	स्थानीय विभूतियों पर चर्चा	20	पंचायत के कार्यों पर चर्चा
21	विभिन्न योजनाओं पर चर्चा	22	भविष्य की योजनाओं पर चर्चा
23	विभिन्न व्यवसायों पर चर्चा	24	अपने स्थान की पहचान पर चर्चा
25	विभिन्न बीमारियों एवं बचाव पर चर्चा	26	अच्छी आदतों पर चर्चा
27	खाने के चीजों पर चर्चा	28	खर्च, बचत एवं आमदनी पर चर्चा
29	पुस्तकालय के उपयोग पर चर्चा	30	मध्याह्न भोजन पर चर्चा

शिक्षक माताओं, पालकों एवं समुदाय को ऐसी चर्चाएँ आयोजित करने हेतु समझ बनाने प्रशिक्षण सत्र का आयोजन करे। इस कैलेण्डर के आधार पर प्रत्येक बच्चे को प्रति माह इन्ही निर्धारित बिन्दुओं पर आपस में चर्चा करने एवं नई नई बाते जानने सीखने हेतु अवसर प्रदान करें। स्थानीय स्तर पर किसी को इसकी नियमित समीक्षा करने हेतु जिम्मेदारी देवें।

एजेंडा पांच: कहानी सुनाएं

अपने आसपास एक ऐसे स्थान का चयन करें जहाँ आप समुदाय के बड़े-बुजुर्गों या बड़ी कक्षाओं के बच्चों को छोटी कक्षाओं के बच्चों को कहानी सुनाने का अवसर दे सकें। समुदाय के बीच आप ऐसे लोगों की पहचान कर लेवें जिन्हें कहानी सुनाने में रूचि है और उन्हें सबकी सुविधा से समय एवं तिथि का निर्धारण कर निर्धारित स्थान में बच्चों को बुलाकर कहानी सुनाने का काम निरंतर जारी रखें। राज्य में अगले सत्र में मुस्कान पुस्तकालय में उच्च प्राथमिक स्तर पर ऐसी पुस्तकों के सेट दिए जा रहे हैं जिसमें उन्हें पहले एक छोटी चित्र कहानी अंग्रेजी में पढ़ना होगा। उसे चित्र देखकर समझने का प्रयास करना होगा। समझ में नही आने पर उसका हिन्दी अनुवाद देखना होगा। अब कहानी का अर्थ/भाव समझ में आने पर पुनः उस कहानी को अंग्रेजी में पढ़ना होगा। कहानी ठीक से समझ में आने परउन्हें बच्चों को यह कहानी सुनानी होगी। कहानी सुनाने का काम कहानी कोना में किया जा सकता है। एक सत्र में एक बच्चे को कम से कम सौ ऐसी कहानियाँ सुनानी होगी।

समुदाय में इस स्थान को आप कुछ नाम दे सकते हैं जैसे "कहानी कोना"। आप अगली कहानी कौन कब सुनाएगा, इसकी सूचना भी लिखने हेतु एक स्थान निर्धारित कर सकते हैं। एक बात का अवश्य ध्यान रखें कि एक बार ऐसी प्रक्रिया शुरू होती है तो उसे निरंतर जारी रखे जाने की जिम्मेदारी समुदाय को देवें और जारी रखना सुनिश्चित करें।

सभी गांवों में कहानी कोना बनाकर नियमित अंतराल से कहानी सुनवाएं।

एजेंडा छह: कौशल सिखाएं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बच्चों को उच्च प्राथमिक स्तर से ही विभिन्न व्यवसायों की जानकारी एवं अनुभव देने का सुझाव दिया गया है। प्राथमिक स्तर पर राज्य में किए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि बच्चों को मात्र चार प्रकार के व्यवसाय की जानकारी है और जब उनसे पूछा जाए कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं तो नर्स, टीचर, पुलिस और जवान ही बनना चाहते हैं। इसके अलावा अन्य व्यवसायों की जानकारी उन्हें नहीं होती।

दीवारों पर विभिन्न प्रकार के व्यवसायों की जानकारी, किस व्यवसाय को चुनने के लिए क्या पढ़ना होगा जैसी जानकारी हमें दीवारों पर पहले से तय कर लिखनी होगी। स्थानीय स्तर पर विभिन्न व्यवसायों की जानकारी देने हेतु कुछ स्थानीय लोगों से संपर्क कर जैसे बढ़ाई, लोहार, दर्जी, नाई, लोक कलाकार, मूर्तिकार, खपरा एवं ईंट बनाने वाले, होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों से सीखने का अवसर देने छुट्टियों के दौरान दस दिन का बैगलेस स्कूल की अवधारणा को लागू करें एवं इसका समुदाय के बीच पोस्टर आदि बनाकर प्रचार प्रसार करें। कैरियर काउंसिलिंग एवं गाइडेंस पर भी आप आवश्यक जानकारियाँ शाला

संकुल अथवा जिले स्तर पर तैयार कर सभी के साथ साझा कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के व्यवसायों की जानकारी भी आप दीवारों पर चित्रों एवं सूचनाओं के माध्यम से देना न भूलें। अच्छे से पढ़-लिखकर बड़ा आदमी बनने, नौकरी पाने के बदले स्वयं का व्यवसाय का चयन करने एवं विभिन्न व्यवसाय के लिए उपलब्ध सुविधाओं, योजनाओं की जानकारी भी तैयार कर दीवारों पर लगवाते हुए उन्हने पढने का अवसर देते हुए व्यवसाय चयन का अवसर देवें।

एजेंडा सात: भाषा की बुनियाद

बच्चों को यदि पढ़ना आ जाए तो बाकी चीजे धीरे धीरे वे सीखने का कौशल हासिल कर लेते हैं। लेकिन विभिन्न सर्वे यह बताते हैं कि अधिकांश बच्चों को ठीक से पढ़ना भी नहीं आता। हमें बच्चों को पढ़ना सिखाने हेतु उनके आसपास उन्ही के सन्दर्भ में उपयोगी सामग्री पढने का अवसर देने प्रिंट-रिच वातावरण उपलब्ध करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य को लेकर पूरे प्रदेश में सभी गावों/वार्डों को प्रिंट-रिच गाँव/ वार्ड बनाने का सुझाव दिया जा रहा है। बच्चों को पढ़ना सिखाने हेतु हम निम्नलिखित सामग्री आसपास की दीवारों में लिख सकते हैं-

वर्णमाला चार्ट/ वाक्य- आपको इस बार वर्णमाला चार्ट एवं पुस्तिका उपलब्ध करवाई गयी है। इसमें से हिन्दी/अंग्रेजी में बच्चों एवं समुदाय को सीखने हेतु एक बड़े क्षेत्र का चयन कर उसमें वर्णमाला चार्ट एवं वाक्य लिख सकते हैं।

शब्द दीवार- कुछ दीवारों का चयन कर उसमें विभिन्न सरल शब्दों को लिखा जा सकता है। बिना मात्रा वाले शब्दों से लेकर अलग अलग प्रकार के शब्दों का वर्गीकरण कर अलग अलग दीवारों में लिखकर उन्हें पढने का अवसर देवें

विभिन्न स्थलों का नाम- हमारे आसपास उपलब्ध विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों के नाम हिन्दी, अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषा में लिखकर प्रदर्शित किया जा सकता है जैसे बस स्टेंड, अस्पताल, ... चौक, ..तालाब, ...कार्यालय, मंदिर, मस्जिद, चर्च

आज की ताजा खबर- युवा क्लब से सूचना मंत्री या समुदाय से कुछ लोगों का चयन कर आसपास के प्रमुख समाचारों को प्रतिदिन लिखने हेतु एक बोर्ड बनाया जा सकता है जहाँ समुदाय को रोज अपने आसपास के समाचार पढने को मिल सकेंगे। इसकी जिम्मेदारी प्रतिमाह बदल बदल कर भी देते हुए सभी को जानकारी एकत्र करने, लिखने आदि का अवसर दिया जा सकता है।

स्थानीय सामग्री- बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की स्थानीय सामग्री, पंरपराओं का विवरण, लोकोक्ति-मुहावरों एवं अन्य जानकारियों को भी प्रदर्शित करें।

ग्रिड: आप ग्रिड में बहुत सारे वर्ण लिखकर उसमें छिपे विभिन्न शब्दों को खोजने का काम दिया जा सकता है।

एजेंडा आठ: गणित सीखें

बच्चों को गणित के मूलभूत दक्षताओं के विकास हेतु बहुत सी सामग्रियों का चयन कर दीवारों पर लिखवाना चाहिए। गणित के पीएलसी आपस में बैठकर ऐसी सामग्रियों का चयन कर उनके ब्लू-प्रिंट आदि साझा कर सकते हैं। गणितीय कौशल विकास हेतु कुछ सुझाव इस प्रकार हैं-

- गिनती/पहाडा चार्ट- एक से हजार तक गिनती/ आगे संख्याओं की जानकारी
- गणितीय संक्रियाएं एवं कुछ उदाहरण- जोड़ घटाना गुणा भाग की जानकारी
- कम-ज्यादा, मोटा-पतला, दूर-पास, ऊपर-नीचे जैसे अवधारणाओं की समझ
- छोटा-बड़ा, अगला-पिछला, विस्तारित रूप, स्थानीय मान को समझाना
- विभिन्न प्रकार के आकृतियों की समझ-हिन्दी/अंग्रेजी मेंउनके नाम एवं चित्र
- वजन तौलना, दूध की माप, ऊँचाई नापना, क्षेत्रफल निकालने की जानकारी
- दशमलव, प्रतिशत निकालना, भिन्न की समझ, घड़ी एवं कैलेण्डर देखना

- विभिन्न प्रकार के करेंसी नोट, सिक्कों की जानकारी एवं उनका उपयोग
- नियमित रूप से गणित के कुछ इबारती सवाल देने हेतु एक श्यामपट
- विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले गणित के सवालों के नमूने
- विभिन्न प्रकार के पैटर्न का अनुभव दिलाने हेतु कुछ उदाहरण
- नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा से संबंधित सवाल एवं कुछ उदाहरण

- जमीन में भी गणित से जुड़े खेलों को खेलने के अवसर हेतु फ्लोर चित्र
- गाँव में जगह जगह गृहकार्य हेतु दीवार श्यामपट का निर्माण कर उपयोग

एजेंडा नौ: साक्षरता से जुड़े कुछ मुद्दे

स्कूल शिक्षा और साक्षरता दोनों कार्यक्रम में लक्ष्य समूहों को मूलभूत दक्षताएं हासिल करवाना है | अतः दोनों लक्ष्य समूह को Foundational Literacy & Numeracy (FLN) का लक्ष्य हासिल करवाने के उद्देश्य से हम कुछ ऐसी सामग्री प्रदर्शित कर सकते हैं जो दोनों समूहों के लिए लाभकारी हो | कुछ उदाहरण-

- किसी एक घर को प्राथमिक उपचार के लिए एक्सपर्ट बनाकर संसाधन-युक्त करते हुए उनके सम्मुख प्राथमिक उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों को प्रदर्शित करें | प्रायः रेड-क्रोस ऐसे मुद्दों पर प्रशिक्षण देते हैं
- डिजिटल साक्षरता एवं आनलाइन बैंकिंग आदि की जानकारी देते हुए लोगों को अपने पासवर्ड किसी के साथ शेयर नहीं करने जैसी जागरूकता
- नशामुक्ति एवं ऐसे चीजों से दूर रहने पोस्टर, स्लोगन एवं अन्य सामग्री
- विभिन्न जीवन कौशल से संबंधित महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर सामग्री
- विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु आवश्यक जानकारियों एवं विभिन्न आवेदन भरने का आइडिया
- आधार कार्ड. स्वास्थ्य कार्ड, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, बीमा एवं अन्य कागजात तैयार करने की प्रक्रिया एवं आवेदन पत्र के नमूने
- साक्षरता की कक्षाओं में नियमित उपस्थिति एवं कक्षा लेने हेतु प्रेरकों को प्रोत्साहित करने, सम्मानित करने हेतु पोस्टर्स एवं जानकारी
- फसल एवं खेती के उत्पाद, दूध, दही, गोबर. गोमूत्र आदि सुरक्षित रखते हुए संकलन, बेचना एवं उससे नियमित लाभ लेना
- स्वास्थ्य संबधी सावधानियां, सुरक्षा एवं इलाज के लिए केन्द्रों की जानकारी
- कुछ महत्वपूर्ण दूरभाष / मोबाइल नंबर जिनसे इमरजेंसी में संपर्क कर सकें
- चुनावी साक्षरता से संबंधित जानकारियाँ एवं फ्लोर गेम आदि तैयार करना
- वित्तीय साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ एवं डिस्प्ले फलक
- आत्मरक्षा/ स्व-रक्षा से संबंधित विभिन्न तकनीकों की जानकारी देना

एजेंडा दस: विविध सामग्री

उपरोक्त के अलावा हम अन्य विविध मुद्दों पर भी सामग्री डिजाइन कर सुझा सकते हैं। इस सभी का मुख्य उद्देश्य जागरूकता, सूचना की प्राप्ति के साथ-साथ भाषाई एवं गणितीय कौशल विकसित करना है। कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं जिसके आधार पर डिजाइन तैयार कर साझा कर सकते हैं-

बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में बताने से पहले उन्हें प्रायवेट पार्ट्स के बारे में अवश्य बताएं। समझाएं कि इन जगहों पर अगर कोई भी छुएँ तो उन्हें कैसे रिएक्ट करना है।

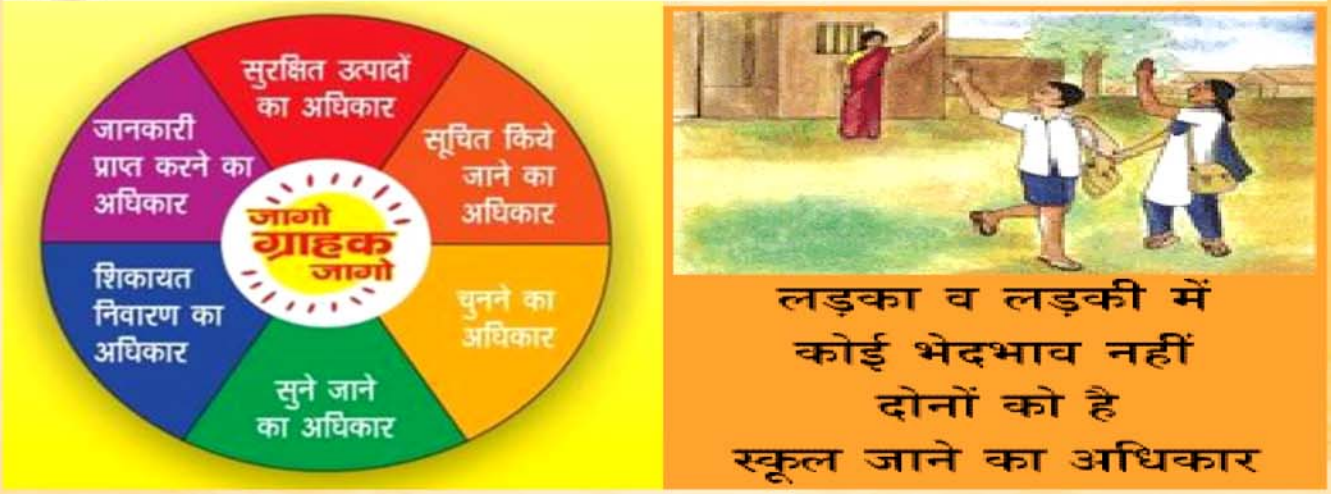

इसके अलावा आप अपनी टीम में सोचकर बहुत सी अन्य जानकारियाँ जो सभी के लिए उपयोगी हों, की डिजाइन तैयार कर उसे अपने आसपास खाली दीवारों पर सहमति लेकर लिखना-लिखवाना प्रारंभ करें। मार्च इकत्तीस तक राज्य के सभी गाँवों/ वार्डों को प्रिंट-रिच गाँव/वार्ड बनवाते हुए अपने शाला संकुल प्राचार्य के माध्यम से इस बाबत सर्टिफिकेट भेजते हुए अपने गाँव/वार्ड की ई-बुक भी तैयार कर उसके माध्यम से बच्चों एवं बड़ों में आ रहे बदलाव एवं मूलभूत कौशलों के विकास पर फोकस कर 2025का लक्ष्य प्राप्त करें।